रिकार्ड से ऐसी कोई जानकारी नहीं मिलती कि इन तदर्थ नियुक्तियों के सम्बन्ध में आसूचना विभाग की ओर से कोई विरोध प्राप्त हुआ हो ।

(ख) इस समय ये दोनों पद 1100--1600 रु० के वेतनमान में हैं और इन पदों पर 150 रुपये विशेष वेतन भी दिया जाता है । जिन अवधियों के लिए ये पद तदर्थ आधार पर भरे गये थे, उन अवधियों के दौरान इन अधिकारियों को 1,09,778.00 रुपये की रकम वेतन के रूप में दी गई थी ।

(ग) और (घ). जैसा कि पहले बताया गया है, ये तदर्थ नियुक्तियां सामान्य प्रक्रिया के अनुसार और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से की गई थीं ।

26 जून 1975 से 28 फरवरी, 1977 तक मुअत्तिल किये गये बर्खास्त किये गये कर्मचारी

3276. **श्री हुकम देव नारायण यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 26 जून 1975 से 28 फरवरी, 1977 तक की अवधि के दौरान कितने रेल कर्मचारियों को सेवा से मुअत्तिल किया गया और बर्खास्त किया गया ;

(ख) सरकार की घोषणा के अनुसार अब तक कितने रेल कर्मचारियों को सेवा में बहाल कर दिया गया है; और

(ग) शेष कर्मचारियों को कब तक सेवा में बहाल कर दिये जाने की संभावना है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) 15718 कर्मचारी इनमें वे कर्मचारी भी शामिल हैं जिनकी सेवा की समीक्षा करके सेवा निवृत्ति की तारीख से पहले रिटायर कर दिया गया था ।

(ख) और (ग). सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

Survey for Dahod-Banswada Railway Project

3277. SHRI SOMJIBHA DAMOR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Dahod-Banswada Railway project survey has been completed;

(b) if so, when the work will start; and

(c) whether there is any difficulty before the Government for not starting the project, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) to (c). No survey for construction of railway line from Dahod to Banswada has been carried out and the project is not under consideration at present on account of paucity of resources.

फतवाह-इस्लामपुर रेलवे गाड़ी की गया तक ले जाना

3278. **श्री रुद्र प्रताप षाडंगी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फतवाह-इस्लामपुर लाईट रेलवे (बिहार) 1926 से मार्टिन एण्ड कम्पनी के अधीन थी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उपरोक्त रेलवे को अब सरकार ने अपने अधीन कर लिया है; और